i) खार्यमाठ ा काणिता प्रातिष्क । के प्रातिष्ठ ा) (कार्माय : बिस त यित अर्गे आर्गे (वास ii) देड्नि : बार्य अला भाजिक (अर्कुमार्घ) iv) विणिन्न ताम : कार्माथाय प्रिट प्रार्शिक, लाम् द्राधिक प्रतिला (काम हिनामान (कारमें) विषित्र तामः विषिष्णममः नार्णिकिस्मा, विष्यात्री मुख्य ल्यायग्रम : द्विस्य विभिन्ने [60% लिनिए] 1616 VS 90% (3) Real vi) रिषापात: ३/ जिमीर्त २/ एक जिस्त ५/ एडाकू एक अड्डाः (कि अड्डाः) सिंगाणाकाग्रक वर

यकी परि